अनुसंधान – १९९४ – ०३

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल

निवेदन

अनुक्रमणिका

त्रण संस्कृत फग्गुकाव्यो – पं. शीलचन्द्रविजय गणि -- ५

भृगुकच्छ-वास्तव्य राणोश्राविका-गृहीत द्वादशव्रत वर्णन – सं. मुनि विमलकीर्तिविजय --------------- १९

केटलाक मध्यकालीन शब्दो – जयंत कोठारी -- ३३

जैन तीर्थस्थान तारंगा – एक प्राचीन नगरी – रमणलाल महेता, कनुभाई शेठ--------------------- ४०

ग्रन्थ माहिती – शीलचन्द्रविजय गणी, हरिवल्लभ भायाणी -------------------------------------- ४५

Jain Education International   For Private & Personal Use Only   www.jainelibrary.org